उत्तर प्रदेश और यूएई ने WEF 2025 में कृषि, लॉजिस्टिक्स और श्रम कौशल विकास में सहयोग बढ़ाने पर किया विचार

लखनऊ, 24 जनवरी, 2025:

दावोस में विश्व आर्थिक मंच (WEF) 2025 सम्मेलन के तीसरे दिन, उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री के सचिव श्री अमित सिंह, यूपीनेडा के निदेशक श्री अनुपम शुक्ला और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के अर्थव्यवस्था मंत्री श्री अब्दुल्ला बिन तौक अल मारी के बीच एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक में उत्तर प्रदेश और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के बीच संबंधों को मजबूत करने के अवसरों पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसमें निजी क्षेत्र के निवेश, कृषि, लॉजिस्टिक्स और बुनियादी ढांचे के विकास पर जोर दिया गया।

चर्चा में विशेष रूप से कृषि के लिए प्रौद्योगिकी हस्तांतरण में सहयोग पर प्रकाश डाला गया, जिसमें बेहतर बुनियादी ढांचे और जेवर में शुरू होने नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के माध्यम से बेहतर एयर कनेक्टिविटी से दोनों देशो के बीच व्यापार, सहयोग और स्किल्ड वर्कफोर्स के विकास पर ज़ोर दिया गया। उत्तर प्रदेश-यूएई संबंधों का एक महत्वपूर्ण पहलू कृषि भी है। उत्तर प्रदेश भारत के सबसे बड़े अनाज और फलों के उत्पादकों में से एक है। यूएई खाद्यान में कृषि उत्पादों के आयात पर निर्भर है। यूएई ने उत्तर प्रदेश से अधिक अनाज और फल आयात करने में रुचि व्यक्त की है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में स्थित जेवर हवाई अड्डा इन निर्यातों को सुगम बनाने के लिए तैयार है, जिससे भारत और यूएई के बीच कृषि व्यापार को और बढ़ावा मिलेगा।

चर्चा का एक बड़ा हिस्सा उत्तर प्रदेश के मजदूरों के लिए कौशल विकास और ट्रेंड लेबर की जरूरत के इर्द-गिर्द भी घूमता रहा। राज्य के मजदूरों के एक प्रमुख नियोक्ता के रूप में यूएई ने सुव्यवस्थित कौशल प्रमाणन कार्यक्रमों की आवश्यकता पर जोर दिया। वर्तमान में, उत्तर प्रदेश के कई श्रमिकों को स्किल गैप के कारण प्रशिक्षण के बाद रोजगार के लिए यूएई में तीन महीने तक इंतजार करना पड़ता है। इस मुद्दे को संबोधित करने के लिए, यूएई ने उत्तर प्रदेश में इन-हाउस कौशल प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने की योजना बनाई है, जो तकनीकी और कुशल उद्योगो में प्रवेश से पहले श्रमिकों को नौकरी के लिए तैयार करेगा। जिससे यूएई के विविध उद्योगों में योग्य और कुशल श्रमिकों की बढ़ती मांग को पूरा करेगा।

इसके अतिरिक्त, यूएई ने उत्तर प्रदेश में बुनियादी ढांचे के विकास में गहरी रुचि व्यक्त की। राज्य के बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करने के साथ, यूएई के फंड परिवहन से लेकर शहरी विकास तक सभी को शामिल करते हुए राज्य की विभिन्न अवस्थापना परियोजनाओं में निवेश करने के लिए उत्सुक हैं।

विश्व आर्थिक मंच 2025 में उत्तर प्रदेश और यूएई के बीच हुई यह बैठक दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण प्रयास साबित होगी, जो बढ़ी हुई आर्थिक, बुनियादी ढांचा और तकनीकी साझेदारी का वादा करती है जिससे दोनों क्षेत्रों को लाभ होगा।